

A-0221

Total Pages : 3

Roll No.

MASL-503

M.A. SANSKRIT (MASL)

(भारतीय दर्शन भाग-01)

1st Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs.

Max. Marks : 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। *परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।*

खण्ड-क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए—

(क) त्रिगुणमविवेकिविशयः सामान्यमचेतनं प्रसवधर्मि ।

(ख) सूक्ष्मशरीराणि सप्तदशावयवानि लिङ्गशरीराणि ।

(ग) भेदानां परिमाणात् समन्वयाच्छक्तिः प्रवृत्तेश्च ।

कारणकार्यविभागादविभागाद् वैश्वरूप्यस्य ॥

2. सांख्यकारिका के अनुसार 'सत्कार्यवाद' के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

3. द्वैतवाद दर्शन के आधार पर तत्त्वों का विश्लेषण कीजिए।

4. सांख्यकारिका के अनुसार तीनों अन्तःकरणों (बुद्धि, अहंकार एवं मन) के स्वरूप एवं व्यापार का वर्णन कीजिए।

5. वेदान्त दर्शन के अनुसार 'अनुबन्धचतुष्टय' को समझाते हुए एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

खण्ड-ख

लघु उत्तरीय प्रश्न

4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वेदान्तसार के अनुसार 'अधिकारी' के लक्षण स्पष्ट कीजिए।

2. द्वैताद्वैत दर्शन के आधार पर तत्त्वत्रय का विवेचन कीजिए।

3. विशिष्टद्वैत की परम्परा को स्पष्ट कीजिए।
4. बन्धन तथा मोक्ष से क्या तात्पर्य है ? सिद्ध कीजिए।
5. रामानुज के अनुसार विशिष्टाद्वैत को स्पष्ट कीजिए।
6. 'भेदानां परिमाणात् समन्वाच्छक्तिः प्रवृत्तेश्च' को स्पष्ट कीजिए।
7. वेदान्तसार के अनुसार वेदान्तशास्त्र के अध्ययन का 'प्रयोजन' स्पष्ट कीजिए।
8. विशिष्टाद्वैत वेदान्त के अनुसार तत्त्वमीमांसा का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

सांख्यकारिका के अनुसार 'प्रकृति' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
